शास्त्री प्रथम– सेमेस्टर– ~~द्वितीय~~ प्रथम (चतुर्थ पत्र)

विषय–अर्थशास्त्र (आर्थिक विचारों का इतिहास)

क्रेडिट–4

अधिकतम अंक–25+75 न्यूनतम अंक–36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक–एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होंगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई–I

कौटिल्य, दादाभाई नौरोजी, आर0सी0 दत्त, बी0 आर0 अम्बेडकर, थीरूवल्लूवर राममनोहर लोहिया, गॉधी का आर्थिक विचार।

इकाई–II

पं0 दीनदयाल उपाध्याय, जे. के. मेहता, ए.के. सेन, जे. भगवती, ए. के. माथुर।

इकाई–III

प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री, एडमस्मिथ, डेविडरिकार्डो, थामस आर. आल्थस सिसमोण्डी, कार्लमार्क्स, जे.बी. से. तथा जे.एस. मिल।

इकाई–IV

मार्शल, पीगू, शुम्पीटर, गोसेन, बीकसेल तथा फीशर।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

1. आर्थिक विचारों का इतिहास – टी. यन. हजेला।
2. आर्थिक विचारों का इतिहास – एम. यल. सिंगन ।
3. भारतीय अर्थिक विचारक – बी. एन. गांगुली।
4. आर्थिक विचारों का इतिहास – एच. एल. भाटिया
5. कौटिल्य अर्थशास्त्र – श्री विष्वनाथ शास्त्री दातार।
6. आर्थिक विचारों का इतिहास – वी. सी. सिनहा।

7.8.24 7.8.24

07/08/2024

शास्त्री सेमेस्टर– ~~पंचम~~ प्रथम (चतुर्थ पत्र)

विषय–समाजशास्त्र (सामाजिक चिन्तन एवं भारतीय समाजशास्त्र)

क्रेडिट–4

अधिकतम अंक–75+25 न्यूनतम अंक–36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक–एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होंगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई 1

अगस्तकाम्टे, इस्माइल दुर्खीम, कार्लमार्क्स, मैसवेवर तथा जी. एच. मीड।

इकाई 2

भारतीय सामाजिक चिन्तन विकास, विशेषता एवं स्वरूप, व्यक्ति एवं संस्तरण की अवधारणा, मनुस्मृति, महाभारत, कौटिल्य।

इकाई 3

आधुनिक विचारक – अरविन्द, गॉधी, दयानन्द एवं विवेकान्द।

इकाई 4

भारत में समाजशास्त्र – जी.एस. धुर्ये, राधाकमल मुखर्जी एवं एम. एन. श्री निवास।

संदर्भ ग्रंथ

1. कौटिल्य अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला।
2. सोशल फिलासफी आफ महात्मा गॉधी – महादेव प्रसाद।
3. आधुनिक भारत में समाजिक परिवर्तन – एम. एन. श्रीनिवास।
4. आधुनिक भारतीय राजनीति एवं सामाजिक चिन्तन – विश्वनाथ प्रसाद शर्मा
5. क्लासिकल सोशल थ्योरी – के. यन ढक्कर ।

7.8.24 7.8.24

शास्त्री सेमेस्टर– ~~पंचम~~ प्रथम (चतुर्थ पत्र)

विषय– भूगोल (विश्व का आर्थिक भूगोल)

क्रेडिट–4

अधिकतम अंक–75+25

अंक–36 न्यूनतम

प्रत्येक सेमेस्टर में एक–एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होंगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई 1

आर्थिक भूगोल – परिभाषा, विकास एव पद्धति, संसाधन : वर्गीकरण, सिद्धान्त, वन एव जल–संसाधन।

इकाई 2

प्राथमिक उत्पादन मत्स्य, कृषि–चावल, गेहूँ कपास, गन्ना, रबर, चाय, काफी के उत्पादक क्षेत्र एवं प्रमुख कारक।

इकाई 3

भू–सम्पदा–कोयला, पेट्रोलियम, जल, लोहा, तॉबा के उत्पादन एवं वितरण क्षेत्र।

इकाई 4

औद्योगिक क्षेत्र के निर्धारक के प्रमुख कारक एवं उनका महत्व, लौह अयस्क, वस्त्र, रसायन, चीनी, सीमेन्ट, उद्योगों का भौगोलिक अध्ययन। विश्व व्यापार की परिवर्तनशील व्यवस्था एवं गैट।

संदर्भ ग्रंथ

1. आर्थिक भूगोल – काशीनाथ सिंह एवं जगदीश सिंह।
2. आर्थिक भूगोल – श्रीवास्तव एवं राव।
3. ठकोनामिक ज्योग्राफी – दूबे एवं सिंह ।
4. ठकोनामिक ज्योग्राफी – डब्लू एलेक्जेण्डर।

7.8.24

प्रो० अशोक कुमार सिंह

7.8.24

शास्त्री सेमेस्टर– ~~पंचम~~ प्रथम (चतुर्थपत्र)

विषय–राजशास्त्र (प्रमुख राजनीतिक विचारक)

क्रेडिट–4

अधिकतम अंक–75+25

न्यूनतम अंक–36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक–एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होंगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई 1

मनु, कौटिल्य।

इकाई 2

प्लेटो, अरस्तु, मैकयावली, बोदा,

इकाई 3

हाब्स, लॉक, रूसो, बेंथम, मिल, हीगल।

इकाई 4

मार्क्स, गांधी, स्वामी करपात्री जी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय।

संदर्भ ग्रंथ

1. राजनीतिक विचारकों का इतिहास – पीडी शर्मा
2. हिस्ट्री आफ पॉलिटिकल थियरी – जार्ज एच सेबाइन
3. पाश्चात्य राजनीतिक विचारधारायें – के एन वर्मा
4. मार्क्सवाद एवं रामराज्य – स्वामी करपात्री जी
5 दीनदयाल जी समग्र

7.8.24

07.08.2024

7.8.24

शास्त्री सेमेस्टर– ~~संस्कृत~~ प्रथम (चतुर्थ पत्र)

विषय– प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति (भारतीय पुरातत्त्व)

क्रेडिट–4

अधिकतम अंक–75+25

न्यूनतम अंक–36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक–एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई 1

उत्खनन विधियॉ एवं प्रकार, स्तर विन्यास एवं कुम्भ कला (चित्रित, धूसर एव उत्तर कृष्णमार्जित) ।

इकाई 2

ऐतिहासिक स्थलो की मानचित्र में पहचांन एवं सामान्य परिचय–हड़प्पा, मोहन–जोदड़ों लोथल, हस्तिनापुर, कौशाम्बी, ब्रह्मगिरि, चिराद, मथुरा, कपिलवस्तु, श्रावस्ती, अयोध्या, काशी, प्रयाग, पाटलिपुत्र, वैशाली, नालन्दा, राजगिरि, उज्जयिनी, सांची और द्वारिका।

इकाई 3.

मुद्रा की उत्पत्ति और प्राचीनता, आहत मुद्राऍ, यौधेय और कौशाम्बी के सिक्के, कुषाण सिक्कों पर देवांकन, गुप्त मुद्राऍ (केवल राजा–रानी प्रकार, समुद्रगुप्त एवं चन्द्रगुप्त द्वितीय की स्वर्णमुद्राऍ)।

इकाई 4

लेखन कला की प्राचीनता, ब्राह्मी और खरोष्ठी की विशेषताऍ एवं मौर्यकालीन ब्राह्मी की पहचान।

अभिलेखों का अध्ययन–अशोक के शिलालेख 1, 2 एवं 13 रूम्मिन देई का लघु स्तम्भ लेख और वैराट का लघु शिलालेख, धनदेव का अयोध्या अभिलेख, हेलीपोडोरस का वैसनगर गरुडध्वज अभिलेख, समुद्र गुप्त की प्रयाग प्रशस्ति एवं मेहरौली का लौहस्तम्भ।

सन्दर्भ–ग्रन्थ

1. भारतीय पुरातत्त्व के पृष्ठ – शिवस्वरूप सहाय।

7.8.24 7.8.24

2. प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन– शिवस्वरूप सहाय।
3. पुरातत्त्व की रूपरेखा – मदनमोहन सिंह।
4. पुरातत्त्व परिचय– पी. एन. पुरी।
5. भारतीय सिक्के – वासुदेव उपाध्याय।
6. पृथ्वी से पुरातत्त्व/ह्वीलर मार्टोमर।
7. प्राचीन भारतीय अभिलेख और लिपि– चितरंजन प्रसाद सिन्हा।
8. पुरातत्त्व विमर्श – जे. एन. पाण्डेय।

7.8.24

7.8.24

शास्त्री सेमेस्टर– ~~पंचम~~ प्रथम (चतुर्थ पत्र)

विषय– इतिहास (भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास)

क्रेडिट–4

अधिकतम अंक–75+25 न्यूनतम अंक–36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक–एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई 1

12 वीं शताब्दी में उत्तर भारत की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सर्वेक्षण, दिल्ली सल्तनत से 15 वीं शताब्दी तक की सामाजिक स्थिति का सर्वेक्षण,

इकाई 2

मुगलकाल से 17वीं शताब्दी तक की सामाजिक जीवनदशा, दिल्ली सल्तनत की करनीति, अकबर एवं शेरशाह–भू–प्रबन्ध एवं प्रशासन,

इकाई 3

मुगल एवं दिल्ली सल्तनतकाल की व्यापार–व्यवस्था एवं प्रमुख नगर, रैयतवारी प्रथा, महालवारी एवं स्थायी प्रबन्ध,

इकाई 4

ब्रिटिश साम्राज्यवादी व्यवस्था एवं 18वीं शताब्दी का आर्थिक सामाजिक जीवन, रेलवे एवं महत्त्व, ब्रिटिशकालीन बैंक एवं व्यापार व्यवस्था एवं कानून, दिल्ली सल्तनत, मुगल एवं ब्रिटिशकाल में अकाल की समस्या।

सन्दर्भ–ग्रन्थ

1. भारत का सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (खण्ड 2 एवं 3) जे. चोपड़ा, के. एस. श्रीवास्तव।
2. भारत का सामाजिक, सास्कृतिक, आर्थिक इतिहास (खण्ड 2 एवं 3) जे. चोपड़ा, पुरी, शील।
3. भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास (खण्ड 1 और 2) राधेश्याम।
4. मध्यकालीन भारत का सामाजिक आर्थिक इतिहास – धनश्याम दूबे।

7.8.24 7.8.24

5. मध्यकालीन भारत का आर्थिक इतिहास – ओमप्रकाश सिंह।

6. मध्यकालीन भारत – (1,2, और 3) प्रो. हबीब।

7. मेडीवल इण्डियन कल्चर – युसुफ हुसेन।

8. मध्यकालीन भारतीय संस्कृति – आशीर्वादीलाल श्रीवास्तव।

9. प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास– हरदत्त वेदालंकार

7.8.24